(CA INTERMEDIATE MOCK TEST MAY 2021)

DATE: 18.03.2021 MAXIMUM MARKS: 100 TIMING: 3¼ Hours

PAPER : AUDITING

DIVISION – A (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

QUESTIONS (1-20) CARRY 1 MARK EACH

1. Ans. c
2. Ans. b
3. Ans. a
4. Ans. b
5. Ans. c
6. Ans. d
7. Ans. a
8. Ans. a
9. Ans. d
10. Ans. b
11. Ans. a
12. Ans. c
13. Ans. b
14. Ans. c
15. Ans. d
16. Ans. b
17. Ans. a
18. Ans. b
19. Ans. c
20. Ans. d

Mittal Commerce Classes

QUESTIONS (21-25) CARRY 2 MARKS EACH

21. Ans. d
22. Ans. b
23. Ans. c
24. Ans. d
25. Ans. d

DIVISION B-DESCRIPTIVE QUESTIONS
QUESTION NO. 1 IS COMPULSORY
ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THE REST

Answer 1:

Examine with reasons (in short) whether the following statements are correct or incorrect : (Attempt any 7 out of 8)

1. **असत्य-**
   यदि वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति में सभी मूलभूत लेखांकन मान्यताओं का पालन किया जा रहा है, तो विशिष्ट प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं है। इस प्रकार, मौलिक लेखांकन धारणा के अनुपालन के मामले में प्रकटीकरण की आवश्यकता है।
2. **असत्य-**
   लेखा परीक्षक द्वारा देखे गए आंतरिक नियंत्रण में किसी भी तरह की सामग्री की कमजोरी को प्रबंधन को समय पर लिखित रूप में सूचित किया जाना चाहिए। हालांकि इस तरह के संचार का उल्लेख होना चाहिए कि आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता का निर्धारण करने के लिए ऑडिट नहीं किया गया है।

3. **सत्य–**
यह उत्तरदाता से सभी मामलों में ऑडिटर को जवाब देने के लिए कहता है या तो प्रतिवादी के समझौते / दिए गए जानकारी से असहमति का संकेत देकर या प्रतिवादी को जानकारी भरने के लिए कहता है।

4. **गलत–**
"SA 230 अंकेक्षण प्रपत्रीकरण'' के अनुसार, वर्किंग पेपर अंकेक्षक की सम्पत्ति है तथा अंकेक्षक के पास उन्हें रखने का अधिकार है। वह अपनी स्वेच्छा पर अपने मुवक्किल को वर्किंग पेपर उपलब्ध करवा सकता है। अंकेक्षक को अपनी प्रेक्टिस की आवश्यकता तथा कानूनी अथवा पेशेवर आवश्यकता को पूरा करने के लिए काफी समय तक रखना चाहिए।

5. **सत्य–**
ऋणदाता ऋण आवेदक की ऋण पात्रता के बारे में निर्णय लेते समय ऑडिट किए गए वित्तीय विवरणों पर भरोसा कर सकते हैं और बाद में, वे अपने फंडों की पुनर्प्राप्ति का न्याय कर सकते हैं।

6. **गलत–**
आरबीआई को वाणिज्यिक और अन्य बैंकों की गतिविधियों को विनियमित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

7. **गलत–**
धारा 139 (6) के अनुसार, कंपनी के पहले लेखा परीक्षक, एक सरकारी कंपनी के अलावा, कंपनी के पंजीकरण की तारीख से 30 दिनों के भीतर निदेशक मंडल द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

8. **गलत–**
विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ तुलना और संबंधों का उपयोग यह आकलन करने के लिए करती हैं कि क्या खाता शेष या अन्य डेटा उचित दिखाई देते हैं। विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाता है:
(i) प्रासंगिक विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं का उपयोग करते समय प्रासंगिक और विश्वसनीय ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना, तथा
(ii) लेखा परीक्षा के अंत के पास विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं को डिजाइन करना और प्रदर्शन करना जो ऑडिटर की सहायता करते हैं, जब यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि क्या वित्तीय विवरण इकाई के ऑडिटर की समझ के अनुरूप हैं?

{One Mark for Correct or Incorrect and 1 Mark for Explanation}

Mittal Commerce Classes

Answer 2:

(a) लेखा परीक्षक उस संस्था से जुड़े दावों और दावों की पहचान करने के लिए अंकेक्षण प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करेगा जो भौतिक गलत विवरण के जोखिम को जन्म दे सकता है, जिसमें शामिल हैं :
(ए) प्रबंधन की जांच और, जहॉ लागू हो, इकाई के भीतर अन्य, जिसमें आंतरिक कानूनी सलाह शामिल है,
(बी) संस्था और उसके बाहरी कानूनी सलाहकार के बीच प्रशासन और पत्राचार से जुड़े आरोपों की मिनटों की समीक्षा, तथा
(सी) कानूनी व्यय खातों की समीक्षा। **{3 M}**

अगर लेखा परीक्षक मुकदमेबाजी या दावों के संबंध में भौतिक गलतफहमी के जोखिम का मूल्यांकन करता है, या जब अंकेक्षण की गई प्रक्रियाओं का संकेत मिलता है कि अन्य सामग्री मुकदमेबाजी या दावे मौजूद है, तो लेखा परीक्षक अन्य एसए द्वारा आवश्यक प्रक्रियाओं के अलावा, सीधे संचार की तलाश करेगा इकाई के बाहरी कानूनी सलाहकार के साथ। **{1 M}**

Answer:

(b) **अंकेक्षण साक्ष्य की पर्याप्तता:** पर्याप्तता अंकेक्षण साक्ष्य की मात्रा का माप है। आवश्यक अंकेक्षण की मात्रा अंकेक्षक की मिथ्या विवरण का जोखिम (जितना अधिक समीक्षा जोखिम उतना अधिक अंकेक्षण साक्ष्य की आवश्यकता होगी तथा साथ में इस प्रकार के अंकेक्षण साक्ष्य की गुणवत्ता) द्वारा प्रभावित होती है। ज्यादा अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करना इसकी खराब गुणत्ता की क्षतिपूर्ति नही करता। पर्याप्तता के बारे में अंकेक्षक का निर्णय निम्न तत्वों द्वारा प्रभावित हो सकता है:
(i) सारवानता **{2 M}**

(ii) सारवान मिथ्या विवरण की जोखि
(iii) जनसांख्यिकी का आकार तथा विशेषता

(i) सारवानता को वित्तीय विवरण का उपयोगकर्ता को प्रस्तुति तथा प्रकटीकरण तथा सौदा, खाता शेष की श्रेणीी का महत्व को परिभाषित किया जा सकता है। कम साक्ष्य की आवश्यकता होगी जहां पर अमिकथन वित्तीय विवरण का उपयोगकर्ता के लिए कम सारवान है। परन्तु दूसरी तरफ यदि अभिकथन वित्तीय विवरण का उपयोगकर्ता से ज्यादा सारवान हैं, ज्यादा साक्ष्य की आवश्यकता होगी।

(ii) **सारवान मिथ्या विवरण को जोखिम के रूप में** परिभाषित किया जा सकता है कि वित्तीय विवरण अंकेक्षण से पहले सारवान रूप में मिथ्या वर्णित है। यह अभिकथन स्तर पर वर्णित दो घटक से मिलकर बना है (a) अर्न्तनिहित जोखिम–मिथ्या विवरण की एक अभिकथन की संवेदनशलीता जो किसी संबंधित नियंत्रण की प्रतिफल से पूर्व सारवान होगा (b) नियंत्रण जोखिम–जोखिम एक मिथ्या विवरण है जो एक अभिकथन पर उत्पन्न हो सकता है जो सारवान हो सकता है, को इकाई की आंतरिक नियंत्रण द्वारा समयबद्ध आधार पर रोका अथवा खोजा अथवा सही नही किया जायेगा। अभिकथन के मामले में कम साक्ष्य की आवश्यकता होगी जिसका सारवान मिथ्या विवरण का न्यून जोखिमह ै। परन्तु दूसरी तरफ यदि अभिकथन का सारवान मिथ्या विवरण का उच्च जोखिम है, ज्यादा साक्ष्य की आवश्यकता होगी। **{2 M}**

(iii) **जनसाख्यिकी का आकार** जनसाख्यिकी में सम्मिलित मदों की संख्यो को संदर्मित करता है। छोटी, ज्यादा संजातीय जनसांख्यिकी के मामले में कम साक्ष्य की आवश्यकता है परन्तु दूसरी तरफ बड़ी ज्यादा विजातीय जनसांख्यिकी के मामले में ज्यादा साक्ष्य की आवश्यकता होगी।

Answer:

(c) पुराने ऋण की जॉच टाईप करना है।

1. **पुराने ऋण की जाँच** – 6 महीने से 5 वर्ष की अवधि के लिए ओवरडयूज ऋण और 5 वर्ष से अधिक का ऋण वर्गीकृत होना और एक लेखापरीक्षक द्वारा इसकी रिपोर्ट करनी होगी। पुराना ऋण क्रेडिट सोसाइटी के काम को बहुत अधिक लम्बे समय तक प्रभावित करता है। यह अपनी कार्यशील पूँजी की स्थिति को प्रभावित करता है। वसूली की सम्भावना के दृष्टिकोण से इन पुराने ऋणों एक और विश्लेषण करना होगा, और उन्हें अच्छें या बुरे ऋण के लिए उचित प्रावधान किए गए है और क्या ये संतोषजनक है या नही।
2. **पुराना ब्याज–** लाभ की गणना करते समय पुराने बकाया ब्याज और अर्जित ब्याज को बाहर रखा जाना चाहिए। पुराना ब्याज खातें में अर्जित ब्याज हैं, जो राशि के मूल पर पुराना ब्याज है। उपयोग में एक पुराने ब्याज को आरक्षित किया गया हैं, और ब्याज खाते मे जमा किए गए पुराने ब्याज से कम है।
3. **खराब ऋण का प्रमाण–** महाराष्ट्र राज्य सहकारी नियम, 1961 के अनुसार बुरे ऋणों को बंध करने के बारे में एक विशिष्ट विशिषेता, नोट करना बहुत ही दिलचस्प है। उक्त नियमों के मुताबिक, बुरा ऋण को केवल तब ही बुरा माना जाता है जब उन्हें ऑडिटर द्वारा खराब माना जाता है। खराब ऋण फंड, रिजर्व फंड इत्यादि के सामने बुरा ऋण और अपरिवर्तनीय घाटे को लेखापरीक्षक द्वारा जहाँ भी आवश्यक हो बुरे ऋण या अपरिवर्तनीय नुकसान के रूप मे प्रमाणित किया जाना चाहिए। जहाँ ऐसी कोई आवश्यकता नहीं हैं, समाज की प्रबंध समिति को अधिकृत को बंद कर देना चाहिए। **{Any 6 Points Each 1/2 Mark}**
4. **सम्पत्ति और देनदारियों का मूल्याकंन–** परिसमत्तियों के मूल्याकंन के संबध में अधिनियम और नियमों के तहत कोई विशेष प्रावधान या निर्देष नहीं है और इस तरह के संबंध में लेखाकन और ऑडिट प्रथाओं और मानदण्डों को अपनाए जाने वाले सामान्य सिद्धातों के लिए होगा। लेखापरीक्षक को परिसम्पत्तियों के अस्तित्व, स्वामित्व और मूल्याकंन का पता लगाना होगा। स्थिर परिसम्पत्तियों के मूल्य पर मूल्यह्रास होना चाहिए ताकि मूल्यह्रास के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जा सके। अधिग्रहण और परिसम्पत्तियों की संस्थापना में व्यय हुये आकस्मिक व्ययों को ठीक से पूँजीकृत किया जाना चाहिए। यदि अधिग्रहण की मूल लागत और वर्तमान बाजार मूल्य में अंतर है, तो वर्तमान बाजार मूल्य के संबंध में एक नोट संलग्न किया जा सकता है, इसलिए वर्तमान

Mittal Commerce Classes

स्थितियों के प्रकटीकरण पर प्रकाश डालना उचित होगा। मौजूदा परिसम्पत्तियों की कीमत या बाजार मूल्य पर, जो भी काम हो, उसके अनुसार होगा। देनदारियों के बारे में, लेखापरीक्षक को यह देखना चाहिए कि सभी ज्ञात देनदारियों के बारे में, लेखापरीक्षक को यह देखना चाहिए कि सभी ज्ञात देनदारियों को खाते में लाया जाता है, और आकस्मिक देनदारियों को एक नोट के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

5. **सहकारी सिद्धांतों का अनुपालन–** लेखापरीक्षक को सामान्य रूप में पता लगाना होगा, किन उद्देश्यों के लिए सहकारी संगठन की स्थापना की गई है, इन्हें इनके कार्यकाल के दौरान प्राप्त किया गया है। मुनाफे के मामले में मूल्यांकन जरूरी नहीं है, बल्कि उन सदस्यों को लाभ देने के मामले में जरूरी है, जिन्होंने सोसाइटी का गठन किया है। सामाजिक लाभों के दृष्टिकोण से विचार किया जा सकता है कि यह ध्यान में रखा जा सकता है कि कम कीमतों पर बिक्री का कितना प्रभाव हो सकता है। इन गतिविधियों की उपलब्धि के लिए लागत लेखा पद्धति, स्टोर नियंत्रण विधियों, मानक लागत की तकनीकों, बजटीय नियंत्रण आदि को अपनाया जाना चाहिए। हालांकि, ये आधुनिक तकनीकें ज्यादातार उपयोग में नहीं है और इस तरह के व्यवहार से लक्ष्यों और उपलब्धियों को एक व्यापक अंतराल हासिल के बाद किया जा सकता है खर्चो की ऑडिटिग करते समय, लेखापरीक्षक को यह देखना चाहिए किवे आर्थिक रूप से खर्च किए गए है और धन का अपव्यय तो नहीं किया गया है मध्यस्थ कमीशन, जहॉ तक सम्भव हो, टाल दिया जाता है और खरीद समितियों के सदस्यों द्वारा थोक विक्रताओं से सीधे खरीदा जाता है उचित ऑडिट के उद्देश्यों के लिए सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।

6. **अधिनियम और नियमों के प्रावधानों की टिप्पणियॉ–** सहकारी समिति के एक लेखापरीक्षक को सहकारी सोसायटी अधिनियम और नियमों और उप–नियमों के प्रावधानों के साथ उल्लंघन का संकेत देने की आवश्यकता है। ऐसे उल्लंघनों के वित्तीय निहितार्थ का लेखापरीक्षक द्वारा ठीक से मूल्यांकन किया जाना चाहिए और उन्हें सूचित किया जाना चाहिए। कुछ राज्य अधिनियमों में लाभांश के भुगतान पर प्रतिबंध है, जिसे ऑडिटर के द्वारा नोट किया जाना चाहिए।

7. **सदस्यों का पंजीकरण और उनकी पास बुक का सत्यापन–** ऋण और उनके पुनर्भुगतान के बारे में पास बुक में की गयी प्रविष्टियों की जॉच करना, और यह सुनिश्चित करने के लिए की पास बुक में की गयी प्रविष्टियॉ हेर–फेर से मुक्त है एक सहकारी संगठन में व्यक्तियों के ऋण की शेष राशि की पुष्टि बहुत ही महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से ग्रामीण और कृषि ऋण समितियों में, सदस्य साक्षर नहीं है और यह उनके हिस्से के लिए एक अच्छी सुरक्षा है। बेशक इस जॉच का परीक्षण एक टेस्ट के आधार पर किया जाएगा, जो ऑडिटर के फैसले का मामला है।

8. **रजिस्ट्रार को विशेष रिपोर्ट–** ऑडिट के दौरान, यदि लेखापरीक्षक ने नोटिस किया कि सोसाइटी के काम में कुछ गम्भीर अनियमितताऐंह ं तो वह इन विशेष मामलों की रिपोर्ट रजिस्ट्रार को कर सकते हैं, वह कुछ विशेष बिन्दुओं पर अपना ध्यान दे सकता है। इस तरह की एक विशेष रिपोर्ट प्राप्त होने पर रजिस्ट्रार सोसाइटी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर सकता है। निम्नलिखित मामलों में, उदाहरण के लिए, एक विशेष रिपोर्ट आवश्यक हो सकती है।
   (i) सोसाइटी के लेन–देन में प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत लाभ, जो अंततः समाज के हितों के लिए हानिकारक है।
   (ii) सोसाइटी के खर्च, खरीद, सम्पत्ति और भंडार से संबंधित धोखाधड़ी का पता लगाना।
   (iii) गलत प्रबंधन के विशिष्ट उदाहरण सहकारी सिद्धांतों के विरूद्ध प्रबंधन के निर्णय।
   (iv) शहरी सहकारी बैकों के मामले में निहित स्वामित्व समूहों, जैसे कि प्रबंधन के रिश्तेदारों और उनकी वसूली के बारे में जानबूझकर अधिक से अधिक लापरवाही, लापरवाह प्रगति के मामले, जहॉ प्रबंधन पर्याप्त सुरक्षा और पार्टी की साख को समझने के लिए उचित सुरक्षा उपायों के बारे में लापरवाह है।

9. **सोसाइटी का ऑडिट वर्गीकरण–** सोसाइटी के समग्र प्रदर्शन के फैसले के बाद, लेखापरीक्षक को सोसाइटी को एक श्रेणी प्रदान करनी होगी। यह निर्णय रजिस्ट्रार द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों पर आधारित होगा। यहॉ ध्यान दिया जा सकता है कि अगर सोसाइटी का प्रबंधन ऑडिट श्रेणी के पुरस्कार के निर्णय के बारे में संतुष्ट नहीं है, तो यह रजिस्ट्रार को अपील कर सकता है और

Mittal Commerce Classes

रजिस्ट्रार ऑडिट वर्गीकरण की समीक्षा करने के लिए निर्देशित कर सकता है सोसाइटी की श्रेणी के बारे में निर्णय लेने के दौरान, लेखापरीक्षक को बहुत सावधान रहना चाहिए।

10. **प्रबंध समिति के साथ मसौदा ऑडिट रिपोर्ट की चर्चा–** ऑडिट के समापन पर, लेखापरीक्षक को समिति से संबंधित समिति की बैठक में ऑडिडेट मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए बैठक करनी चाहिए। प्रबंध समिति समिति के साथ चर्चा किये बिना ऑडिट की रिपोर्ट को अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए। छोटी अनियमितताओं का तय किया जा सकता है और उन्हें सुधारा जा सकता है। पॉलिसी के मामले पर विस्तार से चर्चा की जानी चाहिए।

Answer:

(d) SA 200 ''स्वतंत्र अंकेक्षक का सम्पूर्ण उद्देश्य'' के अनुसार वित्तीय विवरण का अंकेक्षण का परिचालन में, अंकेक्षक का सम्पूर्ण उद्देश्य है: **{1 M}**

(i) क्या वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप से सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है उचित आश्वासन को प्राप्त करना, तथा **{1 M}**

(ii) अंकेक्षक का निष्कर्ष के अनुसार SAs द्वारा आवश्यक संप्रेषण करना अथवा वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट करना। **{1 M}**

Answer 3:

(a) समग्र योजना का विकासः लेखा परीक्षक को लेखापरीक्षा की अपेक्षित गुंजाइश और आचरण के लिए अपनी समग्र योजना को विकसित करने में निम्नलिखित मामलों पर विचार करना चाहिए–

- नियुक्ति और किसी भी वैधानिक जिम्मेदारियों की शर्तें।
- रिपोर्ट या अन्य संचार की प्रकृति और समय।
- लागू कानूनी या वैधानिक आवश्यकताएं।
- ग्राहक द्वारा अपनाई गई लेखांकन नीतियां और उन नीतियों में परिवर्तन।
- ऑडिट पर नए लेखांकन या ऑडिटिंग घोषणाओं का प्रभाव।
- ऐसी शर्तों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जैसे कि सामग्री की त्रुटि या धोखाधड़ी या पार्टियों की भागीदारी जिसमें निदेशक या व्यक्ति जो कि इकाई के पर्याप्त मालिक हैं, रुचि रखते हैं और जिनके साथ लेनदेन की संभावना है।
- निर्भरता की डिग्री वह लेखांकन प्रणाली और आंतरिक नियंत्रण पर जगह पाने में सक्षम होने की उम्मीद करता है।
- विशिष्ट ऑडिट क्षेत्रों पर जोर देने के संभावित रोटेशन।
- लेखापरीक्षा साक्ष्य की प्रकृति और सीमा प्राप्त की जाएगी।
- आंतरिक लेखा परीक्षकों का कार्य और ऑडिट में उनकी भागीदारी की सीमा, यदि कोई हो,।
- ग्राहक की सहायक या शाखाओं के ऑडिट में अन्य लेखा परीक्षकों की भागीदारी।
- विशेषज्ञों की भागीदारी।
- संयुक्त लेखा परीक्षकों और इसके नियंत्रण और समीक्षा के लिए प्रक्रियाओं के बीच काम का आवंटन।
- स्टाफिंग आवश्यकताओं की स्थापना और समन्वय।
- महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा क्षेत्रों की पहचान।
- लेखापरीक्षा उद्देश्यों के लिए भौतिकता स्तरों की स्थापना।

{Any 8 Points Each 1/2 Mark}

Mittal Commerce Classes

Answer:

(b) ऑडिट प्रलेखनः ऑडिट डॉक्यूमेंटेशन पर SA 230, ऑडिट डॉक्यूमेंटेशन ऑडिट की गई कार्यविधियों के रिकॉर्ड को संदर्भित करता है, संबंधित ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करता है, और ऑडिटर तक पहुँचता है। (''वर्किंग पेपर'' या ''वर्क पेपर'' जैसे शब्द भी कभी–कभी उपयोग किए जाते हैं।) **{1 M}**

लेखा परीक्षा दस्तावेज की प्रकृति लेखा परीक्षा दस्तावेज प्रदान करता है:

(a) लेखा परीक्षक के समग्र उद्देश्यों की उपलब्धि के बारे में निष्कर्ष के लिए ऑडिटर के आधार के साक्ष्य तथा

(b) साक्ष्य कि लेखापरीक्षा की योजना बनाई गई थी और SAs और लागू कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के अनुसार प्रदर्शन किया गया था। {1 M Each}

Answer:

(c) एक स्वचालित वातावरण मूल रूप से एक व्यावसायिक वातावरण को संदर्भित करता है जहां कंप्यूटर सिस्टम का उपयोग करके प्रक्रियाएं, संचालन, लेखांकन और यहां तक कि निर्णय भी किए जाते हैं – जिन्हें सूचना प्रणाली (आईएस) या सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सिस्टम के रूप में भी जाना जाता है। आजकल, कंप्यूटर सिस्टम को लगभग हर प्रकार के व्यवसाय में इस्तेमाल किया जाना बहुत आम है।

उदाहरण के लिए, इस बारे में सोचें कि एटीएम (ऑटोमेटेड टेलर मशीन) का उपयोग करके बैंकिंग लेनदेन कैसे किया जाता है, या मोबाइल फोन आदि पर ''एप्लिकेशन'' का उपयोग करके टिकट कैसे खरीदे जा सकते हैं, इन उदाहरणों में, आप देख सकते हैं कि कैसे ये कंप्यूटर सिस्टम हमें लेन–देन करने में सक्षम बनाते हैं। किसी भी समय और किसी भी दिन व्यापार। {1 1/2 M}

एक स्वचालित वातावरण की कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

एक स्वचालित पर्यावरण की मुख्य विशेषताएं

एक स्वचालित वातावरण का मूल सिद्धांत कम मैनुअल हस्तक्षेप और संचालित अधिक प्रणाली के साथ

{1 M}

व्यापार करने की क्षमता है। एक कारोबारी माहौल की जटिलता स्वचालन के स्तर पर निर्भर करती है यानी, यदि व्यावसायिक वातावरण अधिक स्वचालित है, तो यह अधिक जटिल होने की संभावना है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई कंपनी एकीकृत उद्यम संसाधन नियोजन प्रणाली (ईआरपी) अर्थात एसएपी, ओरेकल आदि का उपयोग करती है, तो उसे ऑडिट के लिए अधिक जटिल माना जाता है। दूसरी ओर, यदि कोई कंपनी एक ऑफ–द–शेल्फ अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रही है, तो यह कम स्वचालित होने की संभावना है और इसलिए कम जटिल वातावरण है। {1 1/2 M}

इसी तरह, कई अन्य पहलू हैं जो एक लेखा परीक्षक को एक कारोबारी माहौल के स्वचालन और जटिलता के स्तर को निर्धारित करने पर विचार करना चाहिए जिसे हम निम्नलिखित अनुभागों में देखेंगे।

Answer:

(d) चूंकि अमूर्त संपत्ति भौतिक पदार्थों के बिना एक पहचान योग्य गैर–मौद्रिक संपत्ति है, ऐसी परिसंपत्तियों के अस्तित्व की स्थापना के लिए, लेखा परीक्षक को यह सत्यापित करना चाहिए कि ऐसी अमूर्त संपत्ति दूसरों के लिए किराये के लिए माल या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में सक्रिय उपयोग में है या नहीं। , या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग में है या नहीं।

उदाहरण– सॉफ्टवेयर के अस्तित्व की पुष्टि करने के लिए, ऑडिटर को यह सत्यापित करना चाहिए कि क्या ऐसा सॉफ्टवेयर इकाई द्वारा सक्रिय उपयोग में है और इस उद्देश्य के लिए, ऑडिटर को ऑडिट के तहत अवधि के दौरान संबंधित सेवाओं / वस्तुओं की बिक्री का सत्यापन करना चाहिए, जिसमें इस तरह के सॉफ्टवेयर हैं इस्तेमाल किया गया। {1 1/2 M}

उदाहरण– डिजाइन / रेखाचित्रों के अस्तित्व की पुष्टि करने के लिए, ऑडिटर को यह निर्धारित करने के लिए उत्पादन डेटा को सत्यापित करना चाहिए कि क्या ऐसे उत्पाद जिनके लिए डिजाइन / चित्र खरीदे गए थे, वे इकाई द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे हैं।
यदि कोई अमूर्त संपत्ति सक्रिय उपयोग में नहीं है, तो इकाई के प्रबंधन द्वारा खाता पोस्ट अनुमोदन की किताबों में विलोपन दर्ज किया जाना चाहिए और विलोपन की तारीख से आगे बढ़कर परिशोधन शुल्क समाप्त हो जाना चाहिए था। **{$1^{1/2}$ M}**

Answer 4:

(a) **मामले से सम्बन्धित तथ्यः** मौजूदा मामले में, Mr. A, 4 कम्पनियों में नियुक्त हैं, जबकि Mr. B, 6 कम्पनियों में नियुक्त हैं तथा Mr. C, 10 कम्पनियों में नियुक्त हैं। कुल मिलाकर सभी तीनों साझेदारों के पास मिलाकर 20 लेखा परीक्षाएँ हैं।

प्रावधान और स्पष्टीकरणः कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 141(3)(g) के अनुसार, कोई व्यक्ति एक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा, यदि वह अन्यत्र कहीं पूर्णकालिक नियोजन में है या उसके लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त एक फर्म का साझेदार हैं, यदि ऐसा कोई व्यक्ति या साझेदार ऐसी नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति की तिथि को रु 100 करोंड़ से कम चुकता शेयर पूँजी वाली एकल व्यक्ति कम्पनियों, निष्क्रिय कम्पनियों एवं निजी कम्पनियों के अलावा बीस से अधिक कम्पनियों के लेखा परीक्षा के रूप में नियुक्त है। **{3 M}**

धारा 141(3)(g) के अनुसार, 20 कम्पनियों की लेखा परीक्षा की यह सीमा प्रति व्यक्ति है। 3 भागीदारों वाली ऑडिट फर्म के मामलें में, कुल सीमा 3 x 20 = 60 कम्पनी ऑडिट होगी।

कभी–कभी, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट कई ऑडिट फर्मो में साझेदार होता है। ऐसे मामलें में, सभी कम्पनियाँ, जिसमें भी वह साझेदार या मालिक हैं, सब मिलाकर उसके खाते में 20 कम्पनियों की लेखा परीक्षा करने के लिए हकदार होगी।

निष्कर्षः

(i) इसलिए, ABC & Co. 40 और कम्पनियों के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्ति ग्रंहण कर सकती हैः **{1 M}**
फर्म के लिए उपलब्ध लेखा परीक्षाओं की कुल संख्या = 20 x 3 = 60
सभी साझेदारों द्वारा पहले ही व्यक्तिगत रूप में की जा रही
लेखा परीक्षाओं की संख्या = 4 + 6 + 10 = 20
फर्म के लिए उपलब्ध शेष लेखापरीक्षाओं की संख्या = 40

(ii) उपरोक्त प्रावधानों के सन्दर्भ में, एक लेखा परीक्षक एक लेखा परीक्षक के रूप में और नियुक्तियाँ ग्रहण कर सकता है = धारा 141(3)(g) के अनुसार अधिकतम सीमा – एक लेखा परीक्षक के रूप में पहले से ग्रहण की गई नियुक्तियों की संख्या। इसलिए (1) Mr. A धारण कर सकते हैं, 20 - 4 = 16 और ऑडिट (2) Mr. B, 20 - 6 = 14 और लेखा परीक्षाएँ कर सकते हैं तथा (3) Mr. C 20 - 10 = 10 और लेखा परीक्षाएँ कर सकते है। **{1 M}**

(iii) उपर्युक्त चर्चित प्रावधानों के मद्देनजर, 100 करोड़ रुपयें से कम चुकता शेयर पूँजी वाली सभी 60 निजी कम्पनियों एवं 1 निष्क्रिय कम्पनियों में लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्ति ग्रहण कर सकती हैं, क्योंकि इन्हें कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 141(3)(g) के तहत निर्धारित कम्पनी लेखा परीक्षाओं सीमा से बाहर रखा गया हैं। **{1 M}**

(iv) मामले के तथ्यों के अनुसार, ABC & Co. पहले ही 20 कम्पनियों की लेखा परीक्षा कर रही है और वे 40 कम्पनियों की लेखा परीक्षा भी स्वीकार कर सकती है। इसके अलावा वे एकल व्यक्ति कम्पनियों, छोटी कम्पनियों, निष्क्रिय कम्पनियों एवं 100 करोड़ रुपए से कम चुकता शेयर पूँजी वाली निजी कम्पनियों की लेखा परीक्षा भी कर सकती है। दिए गए मामलें में, ABC & Co. को पेशकश की गई 60 निजी कम्पनियों में से 45 कम्पनियों की प्रत्येक चुकता शेयर पूँजी रु 110 करोड़ है। **{1 M}**

अतः ABC & Co. पहले से धारण किए गए उपरोक्त 20 कम्पनियों की लेखा परीक्षा के अलावा, 2 छोटी कम्पनियों, एक निष्क्रिय कम्पनी, रु 100 करोड़ से कम चुकता शेयर पूँजी वाली 15 निजी कम्पनियों एवं रु 110 की चुकता शेयर पूँजी वाली 40 निजी कम्पनियों के लिए लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्ति को भी स्वीकार कर सकती है।

Mittal Commerce Classes

Answer:

(b) उपयुक्ता अंकेक्षण 'उपयुक्तता अंकेक्षण' के अनुसार अंकेक्षक उन अनुचित दशाओं, अपरिहार्यताओं, निष्फल व्ययों चाहे वे व्यय सम्बन्धित नियमों तथा नियमनों की सीमओं के अन्तर्गत ही उपगत व्यय क्यों न हों, को खोजने का प्रयत्न करता हैं। समय बीतने के साथ–साथ यह अनुभव किया गया कि केवल नियमित अंकेक्षण ही सार्वजनिक हितों की उचित सुरक्षा करने में पर्याप्त नहीं है। एक लेन–देन को इन सभी आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करना होता हैं, जिनकी आवश्यकता नियमित लेन–देनों के सम्बन्ध में होती है अर्थात वे विभिन्न औपचारिकताएँ तथा नियम जिनकी आवश्यकता लेन–देनों के सम्बन्ध में होती है अर्थात वे विभिन्न औपचारिकताएँ तथा नियम जिनकी आवश्यकता लेन–देनों की पूर्णता को सुनिश्चित करने से सम्बन्धित होती हैं, उनका पालन किया जाना चाहिए, परन्तु ये अब भी अत्यन्त दोषपूर्ण हो सकती हैं। टेलीफोन एक्सचेंज (Telephond Exchange) को लगाने में इमारत का निर्माण किया जा सकता है, परन्तु इस भवन का उपयोग हो सकता हैं, उस रूप में न किया जाये, परिणापस्वरूप ऐस व्यय निष्फल हो सकते हैं, अथवा विद्यालय चलाने के उद्देश्य से एक भवन का निर्माण कराया जाये, परिणामस्वरूप ऐसे व्यय निष्फल हो सकते हैं, अथवा विद्यालय चलाने के उद्देश्य से एक भवन का निर्माण कराया जाये, परन्तु उसका प्रयोग पाँच वर्षो के पश्चात जब भवन बनकर तैयार हो जाए तब किया जाये यह अपरिहार्य व्ययों से सम्बन्धित एवं दशा है। **{1 M}**

अतएव अंकेक्षण सार्वजनिक वित्तीय नैतिकता को बुद्धि, वफादारी तथा लेन–देनों की किफायत के सन्दर्भ में देखने का प्रयास करता हैं, जिससे उच्चस्तरीय मानकों को प्राप्त किया जा सके। इन विचारों से उपयुक्तता अंकेक्षण का उदय हुआ, जिन्हें अब अंकेक्षण अधिकरणों के साथ नैतिक कार्यो की तरह प्रयोग में लाया जाता है। उपयुक्तता के प्रति अंकेक्षण के मार्ग को नियंत्रित करने हेतु किसी सूक्ष्म नियमावली का सृजन काफी कठिन होता है। अंकेक्षक का एक उद्देश्य अपनी स्वीकृति के लिए सामान्य विवके तथा अंकेक्षकों की तर्कशक्ति की अपील करता है तथा उन व्यक्तियों के विवके की मांग करता है, जिनके वित्तीय लेन–देन उपयुक्तता अंकेक्षण के क्षेत्र में आते है। वैसे कुछ सामान्य सिद्धान्त अंकेक्षण मानदण्ड संहिता में बनाये गये हैं, जिनको काफी लम्बे समय से वित्तीय औचित्य का मानदण्ड माना जा रहा है। औचित्य के प्रति अंकेक्षण यह आश्वासन पाने का प्रयास करता है कि व्यय इन सिद्धान्तों से मेल खाते हैं, जिनको नीचे समझाया जा रहा है: **{1 M}**

(a) व्यय सरसरी तौर से मौके की मांग से अधिक नहीं होनी चाहिये। प्रत्येक सरकारी अधिकारी से आशा की जाती है कि सार्वजनिक धन से किये जाने वाले व्यय के सम्बन्ध में वही सावधानी बरते जो एक सामान्य विवेकशील प्राणी अपने निजी धन के खर्चे के सम्बन्ध में बरतता है।

(b) कोई भी सत्ता ऐसे व्ययों की स्वीकृति की शक्ति का उपयोग न करे ऐसा आदेश पास करने के लिए जो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उसके अपने निजी लाभों के लिए हो।

(c) सार्वजनिक धन को समाज के किसी वर्ग विशेष या व्यक्ति विशेष के हितार्थ उपयोग न किया जाये जब तक कि: **{1 M}**

(i) सन्निहित व्यय की राशि महत्वहीन सी न हो; या

(ii) राशि के लिए कोई दावा न्यायालय में प्रवर्तनीय न कराया जा सके; या

(iii) व्यय मान्य नीतियाँ तौर–तरीके के अनुरूप न रहे; तथा

(iv) भत्तों की राशि जैसे यात्रा भत्ता एक विशेष प्रकार के व्ययों को पूरा करने के लिए स्वीकार किया जाता है, इसको इस प्रकार किया जाये कि भत्ते, कुल–मिलाकर प्राप्तकर्ता के लिए लाभ के स्रोत न बन जायें।

Answer:

(c) यदि, धोखाधड़ी या संदेहास्पद धोखाधड़ी से उत्पन्न गलत अनुमान के परिणामस्वरूप, अंकेक्षक का असाधारण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जो लेखा परीक्षा को जारी रखने के लिए अंकेक्षक की क्षमता में सवाल उठाते हैं, तो अंकेक्षक निम्नानुसार होगाः

(a) परिस्थितियों में लागू पेशेवर और कानूनी जिम्मेदानी को निर्धारित करें, इसमें यह भी शामिल है कि क्या अंकेक्षक के लिए उस व्यक्ति या व्यक्तियों को रिपोर्ट करने की आवश्यकता है जो अंकेक्षण की नियुक्ति की है या, कुछ मामलों में, नियामक प्राधिकरणों को, **{1 M}**

(b) विचार करें कि क्या कार्य से वापस लेने के लिए उपयुक्त हैं, जहाँ लागू कानून या विनियमन के तहत वापसी संभव है, तथा **{1 M}**

(c) यदि अंकेक्षक वापस ले लेता है:

(i) प्रबंधन के उपयुक्त स्तर के साथ चर्चा करें और उनसे जुड़ा हुआ अनुशासन से अंकेक्षक की वापसी और निकासी के कारणों के कारण; तथा

(ii) निर्धारित करें कि क्या व्यक्ति या व्यक्तियों को रिपोर्ट करने के लिए एक पेशेवर या कानूनी आवश्यकता है, जिन्होंने लेखा परीक्षा की नियुक्ति की है या, कुछ मामलों में, नियामक प्राधिकरणों को, सभागार से निकाले गए अंकेक्षक की वापसी और वापसी के कारण। **{2 M}**

Answer 5:

(a) नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकनः प्रासंगिक नियंत्रणों के संचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकन करते समय, लेखा परीक्षक मूल्यांकन करेगा कि क्या नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रहे हैं। हालांकि, पर्याप्त प्रक्रियाओं द्वारा पता चलता है कि गलत विवरणों की अनुपस्थिति, ऑडिट साक्ष्य प्रदान नहीं करती है कि संबंधित नियंत्रण प्रभावी है। **{1 M}**

जब नियंत्रण से विचलन, जिस पर ऑडिटर भरोसा करना चाहता है, का पता लगाया जाता है, तो ऑडिटर इन मामलों और उनके संभावित परिणामों को समझने के लिए विशिष्ट पूछताछ करेगा, और यह निर्धारित करेगा कि:

(a) नियंत्रण के परीक्षण किए गए हैं जो नियंत्रण पर निर्भरता के लिए एक उचित आधार प्रदान करते हैं,

(b) नियंत्रण के अतिरिक्त परीक्षण आवश्यक हैं, या

(c) गलत प्रक्रियाओं के संभावित जोखिमों को मूल प्रक्रियाओं का उपयोग करके संबोधित करने की आवश्यकता है। **{2 M}**

ऑडिटर की प्रक्रियाओं द्वारा पता लगाया गया एक भौतिक गलत विवरण आंतरिक नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण कमी के अस्तित्व का एक मजबूत संकेतक है।

Answer:

(b) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनके वास्तविक संचालन की संतोषजनक समझ होने के बाद ही ऑडिटर अपना संपूर्ण ऑडिट कार्यक्रम तैयार कर सकता है। यदि वह इस पहलू का अध्ययन करने की परवाह नहीं करता है, तो यह बहुत संभावना है कि उसका ऑडिट कार्यक्रम अनावश्यक रूप से भारी हो सकता है और ऑडिट की वस्तु पूरी तरह से प्रविष्टियों और वाउचर के द्रव्यमान में खो सकती है। उसके लिए यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि क्या वास्तव में सिस्टम चालू है। अक्सर, एक सिस्टम की स्थापना के बाद, प्रबंधन द्वारा अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कोई उचित अनुवर्ती नहीं है। लेखा परीक्षक, ऐसी परिस्थितियों में, यह विश्वास करने के लिए नेतृत्व किया जा सकता है कि एक प्रणाली ऑपरेशन में है जो वास्तव में पूरी तरह से ऑपरेशन में नहीं हो सकती है या केवल आंशिक रूप से सबसे अच्छा काम कर सकती है। यह स्थिति शायद सबसे खराब है कि एक लेखा परीक्षक भ्रम में आ सकता है और वह भ्रम की स्थिति में होगा, अगर वह ध्यान नहीं रखता है। **{1 M}**

बेहतर होगा कि ऑडिटर क्लाइंट के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की समीक्षा कर सके। इससे उसे नियंत्रणों और निहितार्थों को आत्मसात करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और वह ऑडिट कार्यक्रम के निर्धारण में अधिक उद्देश्य के लिए सक्षम होगा। वह प्रबंधन की व्यवस्था की कमजोरियों को सामने लाने और सुधार के लिए उपाय सुझाने की स्थिति में भी होगा। अंतरिम तारीख में या ऑडिट के दौरान, वह यह पता लगा सकता है कि कितनी कमियां दूर की गई हैं। **{1 M}**

पूर्वगामी से, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ऑडिट कार्यक्रम की प्रकृति और संचालन में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली से काफी हद तक प्रभावित होता है। परीक्षण जाँच की योजना पर निर्णय लेने में, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का अस्तित्व और संचालन बहुत महत्व रखता है।

इसकी महत्वपूर्णता और कार्य में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की एक उचित समझ भी एक लेखा परीक्षक को ऑडिट कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लागू की जाने वाली उचित ऑडिट प्रक्रिया का निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। **{1 M}**

ऐसी स्थिति में जहां आंतरिक नियंत्रण कुछ क्षेत्रों में कमजोर माना जाता है, ऑडिटर ऑडिटिंग प्रक्रिया या परीक्षण का चयन कर सकता है, अन्यथा इसकी आवश्यकता नहीं हो सकती हैय वह बड़ी संख्या में लेन–देन या अन्य वस्तुओं को कवर करने के लिए कुछ परीक्षणों का विस्तार कर सकता है अन्यथा वह जांच करेगा और कभी–कभी उसे आवश्यक संतुष्टि लाने के लिए अतिरिक्त परीक्षण कर सकता है। **{1 M}**

Answer:

(c) अनुसंधान से उत्पन्न कोई अमूर्त संपत्ति (या एक आंतरिक परियोजना के अनुसंधान चरण से) को मान्यता नहीं दी जाएगी। अनुसंधान पर व्यय को एक व्यय के रूप में पहचाना जाएगा जब तक यह एक आंतरिक परियोजना के अनुसंधान चरण में होता है, एवं एक इकाई यह प्रदर्शित नहीं करती है कि एक अमूर्त संपत्ति मौजूद है जो संभावित भविष्य के आर्थिक लाभ उत्पन्न करेगी। इस प्रकार, PQR लिमिटेड के निदेशक मंडल खर्च को आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त संपत्ति के रूप में नहीं पहचान सकते हैं। **{2 M}**

एक अमूर्त संपत्ति को मान्यता दी जाएगी यदि, **{1/2 M Each }**

(i) उक्त संपत्ति पहचान योग्य है,

(ii) इकाई परिसंपत्ति को नियंत्रित करती है यानी इकाई में अंतर्निहित संसाधन से होने वाले भविष्य के आर्थिक लाभ प्राप्त करने और उन लाभों तक दूसरों की पहुंच को सीमित करने की शक्ति होती है,

(iii) यह संभावित है कि परिसंपत्ति से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ इकाई में प्रवाहित होंगे,

(iv) वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है।

Answer:

(d) एक इकाई के वित्तीय वक्तव्यों में प्रस्तुत की जाने वाली तुलनात्मक जानकारी की प्रकृति लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे की आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। इस तरह की तुलनात्मक जानकारीः संबंधित आंकड़े और तुलनात्मक वित्तीय विवरणों के संबंध में लेखा परीक्षक की रिपोर्टिंग जिम्मेदारियों के लिए दो अलग–अलग व्यापक दृष्टिकोण हैं। अपनाया जाने वाला दृष्टिकोण अक्सर कानून या विनियमन द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है लेकिन नियुक्ति की शर्तों में भी निर्दिष्ट किया जा सकता है। **{1 1/2 M}**

दृष्टिकोणों के बीच आवश्यक ऑडिट रिपोर्टिंग अंतर हैं, वो निम्न है–

(i) संबंधित आंकड़ों के लिए, वित्तीय वक्तव्यों पर ऑडिटर की राय केवल वर्तमान अवधि को संदर्भित करती है,

(ii) तुलनात्मक वित्तीय वक्तव्यों के लिए, ऑडिटर की राय प्रत्येक अवधि को संदर्भित करती है जिसके लिए वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए जाते हैं।

तुलनात्मक जानकारी की परिभाषा – लागू मात्रा रिपोर्टिंग के अनुसार एक या एक से अधिक पूर्व अवधि के संबंध में वित्तीय विवरणों में शामिल मात्रा और प्रकटीकरण।

तुलनात्मक जानकारी के बारे में ऑडिट प्रक्रिया

लेखा परीक्षक यह निर्धारित करेगा कि वित्तीय विवरणों में लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे द्वारा आवश्यक तुलनात्मक जानकारी शामिल है या नहीं और क्या ऐसी जानकारी को उचित रूप से वर्गीकृत किया गया है। इस प्रयोजन के लिए, लेखा परीक्षक मूल्यांकन करेगा कि क्याः **{1 1/2 M}**

(a) तुलनात्मक जानकारी पूर्व अवधि में प्रस्तुत राशि और अन्य खुलासे से सहमत है, तथा

(b) तुलनात्मक जानकारी में परिलक्षित लेखांकन नीतियां मौजूदा अवधि में लागू किए गए लोगों के अनुरूप हैं या, यदि लेखांकन नीतियों में परिवर्तन हुए हैं, तो क्या उन परिवर्तनों का सही तरीके से लेखा और पर्याप्त रूप से प्रस्तुत और खुलासा किया गया है।

Answer 6:

(a) **प्रावधान तथा स्पष्टीकरण** : सरकारी कम्पनी के मामले में प्रथम अंकेक्षक की नियुक्ति कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 139(7) के प्रावधान के द्वारा संचालित है जो वर्णित करता है कि सरकारी कम्पनी के मामले में प्रथम अंकेक्षक को कम्पनी की पंजीकरण की तिथि से 60 दिवस के अंदर नियंत्रक तथा महालेखाकार के द्वारा नियुक्त किया जायेगा। **{2 M}**

निष्कर्ष : इसलिए, Bhartiya Petrol Ltd. का निदेशक मंडल द्वारा किया प्रथम अंकेक्षक की नियुक्ति व्यर्थ है। **{1 M}**

Answer:

(b) **लेखांकन का चलायमान संस्था आधार**

लेखांकन का चलायमान संस्था आधार के अन्तर्गत वित्तीय विवरण की मान्यता पर तैयार किया जाता है कि इकाई चलायमान संस्था है तथा आने वाले भविष्य के लिए परिचालन को जारी रखेगी। जब लेखांकन का चलायमान संस्था का उपयोग उपयुक्त है, सम्पत्ति तथा दायित्व को आधार पर रिकॉर्ड किया जाता है कि इकाई व्यापार के सामान्य व्यवहार में अपनी सम्पत्ति को वसूल करने तथा दायित्व का निर्वाहन करेगा। **{1 M}**

चलायमान संस्था के सम्बन्ध में अंकेक्षक का उद्देश्य है:

(i) प्रबंधन तथा जहां उपयुक्त हो संचालन से प्रभारित व्यक्तियों से लिखित प्रतिवेदन प्राप्त करना कि वे वित्तीय विवरण की तैयारी तथा अंकेक्षक को प्रदान सूचना की पूर्णता के लिए अपने कर्तव्यों के लिए अपने कर्तव्यों को पूर्ण करते है;

(ii) लिखित बयानों के माध्यम से वित्तीय विवरण में विशिष्ट कथनों से संबंधित अभिकथन समर्पित करना यदि अंकेक्षक द्वारा आवश्यकता निर्धारित की अथवा अन्य SAs द्वारा आवश्यक है तथा

(iii) प्रबंधन द्वारा प्रदान लिखित प्रतिवेदन पर उपयुक्त रूप से प्रत्युत्तर करना अथवा यदि प्रबंधन अथवा जहां उपयुक्त है संचालन से प्रभारित व्यक्ति अंकेक्षक के द्वारा आवेदित लिखित प्रतिवेदन प्रदान नहीं करता।

{3 points 1 Mark Each}

Answer:

(c) **किसे आंतरिक अंकेक्षक नियुक्त किया जा सकता है,** धारा 138 के अनुसार, आंतरिक अंकेक्षक या तो चार्टर्ड अकाउटेंड अथवा लागत लेखांकन (चाहे प्रेक्टिस में है अथवा नहीं। अथवा इस प्रकार का पेशेवर से हो सकता है जैसा बार्ड द्वारा कम्पनी का कार्य तथा गतिविधियों का आंतरिक अंकेक्षण करने के लिए नियुक्त किया है। आंतरिक कम्पनी का कर्मचारी हो भी सकता है अथवा नहीं। {1 M}

आंतरिक अंकेक्षण कार्य : एक इकाई का कार्य जो इकाई का संचालन जोखिम प्रबंधन तथा आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया का आंकलन तथा प्रभावदेयता को सुधारने के लिए डिजाइन गतिविधियों तथा आश्वासन को निष्पादित करता है।

आंतरिक अंकेक्षण कार्य का उद्देश्य तथा क्षेत्र : SA-610, ''एक आंतरिक अंकेक्षक का कार्य का उपयोग करना'' के अनुसार आंतरिक अंकेक्षण कार्य के उद्देश्य वृहत रूप से परिवर्तित होता है तथा इकाई का आकार तथा संरचना पर है तथा प्रबंधन तथा जहां पर लागू हो संचालन से प्रभावित व्यक्तियों पर निर्भर है। {1 M}

आंतरिक अंकेक्षण कार्य का उद्देश्य तथा क्षेत्र में इकाई की संचालन प्रक्रिया, जोखिम प्रबंधन तथा आंतरिक नियंत्रण का आंकलन तथा प्रभावेदयता को सुधारने के लिए डिजाइन आश्वासन तथा परामर्श गतिविधियां सम्मिलित है :

1. **संचाल** [आंतरिक अंकेक्षक तथा प्रबधन के मध्य सप्रेषण को प्रभावदेयता तथा सस्था को उपयुक्त क्षेत्र की संप्रेषण जोखिम तथा नियंत्रण सूचना, कुशलता प्रबंधन तथा जवाबदेही, नैतिकता तथा मूल्य पर उद्देश्य की पूर्णता में संचालन प्रोसेस की समीक्षा कर सकता है। {1/2 M}

2. **जोखिम प्रबंधन से सम्बन्धित गतिविधियां :** आंतरिक अंकेक्षण कार्य आंतरिक नियंत्रण तथा जोखिम प्रबंधन का सुधार में अंशदान तथा इकाई की सहायता कर सकता है (वित्तीय प्रतिवेदन प्रक्रिया की प्रभावेदयता सहित)। आंतरिक अंकेक्षण कार्य धोखाधड़ी की खोज में इकाई की सहायता के लिए प्रक्रिया का निष्पादन कर सकता है। {1/2 M}

3. **आंतरिक नियंत्रण से सम्बन्धित गतिविधियां**

   (i) **आंतरिक नियंत्रण का आंकलन** – आंतरिक अंकेक्षण कार्य नियंत्रण की समीक्षा, के लिये विशिष्ट जिम्मेदारी निर्दिष्ट करता है, उनके परिचालन का मूल्यांकन तथा उनके सुधार की अनुशंसा करता है। ऐसा करने में, आंतरिक अंकेक्षक कार्य नियंत्रण का आश्वासन देता है। उदाहरण के लिये आंतरिक अंकेक्षण कार्य नियंत्रण जो अंकेक्षण से प्रासंगिक है सहित आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावदेयता तथा कार्यान्वयन डिजाइन के सम्बन्ध में प्रबंधन तथा संचालन से प्रभारित व्यक्ति को प्रदान अन्य प्रक्रिया अथवा योजना तथा टेस्ट का निष्पादन को आंतरिक अंकेक्षण प्रदान करता है। {Any 2 points 1/2 Mark Each}

(ii) **वित्तीय तथा परिचालन सूचना का परीक्षण** – आंतरिक अंकेक्षण कार्य को वित्तीय तथा परिचालन सूचना की पहचान, मान्यता, माप, वर्गीकरण तथा रिपोर्ट के लिए प्रयुक्त साधन की समीक्षा तथा सौदा, शेष तथा प्रक्रिया की विस्तृत टेस्टिंग सहित व्यक्तिगत मदों में विशिष्ट पड़ताल करने के लिए निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(iii) **परिचालन गतिविधियों की समीक्षा** – आंतरिक अंकेक्षण कार्य को एक इकाई की गैर वित्तीय गतिविधियों सहित परिचालन गतिविधियों की मितव्ययता, कुशलता तथा प्रभावदेयता की समीक्षा के लिए निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(iv) **कानून तथा विनियमन के साथ अनुपालना की समीक्षा** – आंतरिक अंकेक्षण कार्य को कानून विनियमन तथा अन्य बाहरी आवश्यकता के साथ अनुपालना की समीक्षा तथा प्रबंधकीय नीतियां तथा निर्देश तथा अन्य आंतरिक आवश्यकता के साथ समीक्षा के लिए निर्दिष्ट किया जा सकता है।

Answer:

(d) प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण का उद्देश्य

SA 701, ''अंकेक्षक की रिपोर्ट में प्रमुख अंकेक्षण मामलों का संप्रेषण के अनुसार, प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण का उद्देश्य जिसे निष्पादित किया, के बारे में ज्यादा पारदर्शिता का प्रदान करने का अंकेक्षक का रिपोर्ट का संप्रेषण मूल्य को बढ़ाया है। प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण एच्छिक उपयोगकर्ता को उन मामला में समझने में उसकी सहायता करने के लिए अतिरिक्त सूचना को प्रदान करता है जो अंकेक्षक की पेशेवर निर्णयन में चालू अवधि का वित्तीय विवरण का अंकेक्षण में ज्यादा महत्व का है। प्रमुख अंकेक्षण मामला का संप्रेषण इकाई को समझने तथा अंकेक्षित वित्तीय विवरण में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय निर्णय का क्षेत्र में एच्छिक उपयोगकर्ताओं की भी सहायता करता है। **{2 M}** **{1 M}**

Mittal Commerce Classes

—**—